सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२४-२०२५

कक्षा:-चार	विषय:हिंदी	पाठ:15 मज़े-मज़े में गाता चल (कविता)

अपनी पाठ्य पुस्तक पृष्ठ संख्या 106 पर दिए गए सभी शब्दार्थ अपने कार्य पत्रिका में लिखिए

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1)कवि ने शूल को क्या चटाने के लिए कहा है ?

उत्तर कवि ने शूल अर्थात काँटों को धूल चटाने के लिए कहा है ।

प्रश्न2) पथिक को कदम कैसे बढ़ाने के लिए कहा गया है ?

उत्तर पथिक को बिना डरे कदम आगे बढ़ाने के लिए कहा गया है ।

प्रश्न3) पथिक को क्या समझाया गया है ?

उत्तर हिम्मत न हारने और रूकावटों को ठोकर मारने के लिए समझाया गया है ।

प्रश्न4) कविता में किस तरह गाते हुए चलने की बात की गई है ?

उत्तर कविता में मज़े-मज़े से गाते हुए चलने की बात की गई है ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1)जीवन को सफल कैसे बनाया जा सकता है ?

उत्तर बाधाओं और कठिनाइयों को ठोकर मार कर, मार्ग मे आने वाले अंधकार की परवाह न करते हुए निडर हो कर आगे बढ़ते हुए जीवन को सफल बनाया जा सकता है।

प्रश्न2) हाथ में नई किताब लेकर क्या करने को कहा गया है?

उत्तर हाथ में नई किताब लेकर जीवन के हर सवाल का जवाब खोजने के लिए कहा गया है ,अर्थात अपनी मंजिल को पाने के लिए नए-नए मार्ग खोजने और उन पर चलने के लिए कई प्रेरणा दी गई है ।

प्रश्न3) अंधकार को कैसे दूर करने की बात की कही गई है?

उत्तर अंधकार निराशा का प्रतीक है, और प्रकाश आशा का अर्थात कवि कहते हैं यदि लक्ष्य प्राप्त करने में निराशा रूपी अंधेरा तुम्हारा रास्ता रोके तो आशा का दीप जलाकर उसे अंधेरे को दूर कर दो ।

प्रश्न4) कदम बढ़ाते हुए मन में क्या नहीं होना चाहिए ?

उत्तर मन में डर होने से मंजिल को प्राप्त नहीं किया जा सकता इसलिए कदम बढ़ाते समय मन में डर नहीं होना चाहिए। मज़े-मज़े में गीत गाते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करना चाहिए ।

वाक्य प्रयोग स्वयं कीजिए।

1)धूल चटाना - बुरी तरह हराना

2)हिम्मत- साहस

3)बाधा - रूकावट

4)पथिक - मुसाफ़िर